U.G.C. CENTRE FOR ADVANCED STUDY (CAS)

Dr. Rajendra Prasad Sharma
Co-ordinator,

DEPARTMENT OF PHILOSOPHY
University of Rajasthan
Jaipur-302004 (INDIA)

प्रेस विज्ञाप्ति

राजस्थान विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के उच्च अध्ययन केन्द्र मे ' श्री अरविन्द की साधना एवं दर्शन'' विषय पर 28–29 सितम्बर 2018 को द्विदिवसीया अन्तरराष्ट्रियसंगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है इस संगोष्ठी में आप सादर आमन्त्रित है। संगोष्ठी के विषय का विवरण इस प्रकार है–

कल उदघाटन सत्र में प्रो. रमाकान्त आंगिरस चंड़ीगढ बीज भाषण देगें तथा अध्यक्षता देवर्षि कलानाथ शास्त्री करेगें। संगोष्ठी में प्रो. दयानन्द भार्गव , प्रो. राजेन्द्र स्वरूप भटनागर, प्रो. विश्वम्भर पाही, प्रो. शिवानी शर्मा –चण्डीगढ़, प्रो सुरेन्द्र मोहन मिश्रा– कुरूक्षेत्र , प्रो. चमनलाल रैना – फलोरिडा विश्वविद्यालय– (यू.एस.ए.) आदि व्याख्यान देगें।इसमें श्री अरविन्द के दर्शन तथा साधना की वर्तमान आवश्यकता पर विचार विमर्श होगा।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
समन्वयक
उच्च अध्ययन केन्द्र, दर्शनशास्त्र

योगदर्शनः स्वास्थ्य से समाधि'' विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठि का आज से आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी में विद्वान इस बात पर सहमत हुए कि भारतीय दर्शन में योग केवल स्वस्थ रहने का ही मार्ग नहीं है अपितु यह सांसारिक दुःखों को दुःख नहीं रहने देता है यह तपस्या का मार्ग है जो शारीरिक नैतिक एवं सामाजिक उन्नति को प्राप्त कराता है। यह मानव के व्यावहारिक जीवन का सर्वोतम मार्ग है जो मनुष्य मात्र के लिये उपयोगी है।

संगोष्ठि के प्रथम दिवस प्रसिद्व विद्वान श्री प्रो. रमाकांत अंगिरस ने अपने उद्‌बोधन से सभी को उपकृत किया। आपने योग दर्शन के सभी पक्षों पर विस्तृत प्रकाश डाला। डॉ. इन्दुशेखर ने योग और स्वास्थ्य विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. बीना अग्रवाल (डीन. कला संकाय) ने की। सॉय कालीन सत्र में डॉ. दीपमाला गहलोत ने अपने शोध–पत्र प्रस्तुत किए अन्त में डॉ. नीरज शर्मा ने ''गीता में आनन्द और आरोग्य'' विषय पर अपना पत्र प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के संयोजन वरिष्ठ आचार्य एवम् निदेशक उच्च अध्ययन केन्द्र दर्शनशास्त्र श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। संगोष्ठि में देश के विभिन्न हिस्सों से पधारे हुए विद्वानों ने विचार विमर्श किया।

समन्वयक

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

दर्शनशास्त्र विभाग

राजस्थान विश्वविद्यालय,